

सत्ता विरोधी लहर डूबेंगे या पार लगेंगे पटनायक

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार | ओडिशा में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ-साथ हो रहे हैं। राज्य की 21 लोकसभा सीटों और 147 विधानसभा सीटों के लिए 13 मई से 1 जून के बीच चार चरणों में वोट डाले जाएंगे। पहले चरण के लिए 13 मई, दूसरे चरण में 20 मई, तीसरे चरण में 25 मई और चौथे चरण में पहली जून को जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करेगी। 13 मई को चार लोकसभा सीटों कालाहांडी, नवरंगपुर, बेरहमपुर और कोरापुट में वोटिंग होगी तो 20 मई को बारगढ़, सुंदरगढ़, बोलांगीर, कंधमाल और अस्का लोकसभा सीट पर मतदान होगा। 25 मई को छह लोकसभा सीटों संबलपुर, क्योड़र, डेकनाल, कटक, पुरी और भुवनेश्वर में मतदाता वोट डालेंगे। पहली जून को राज्य की बची छह लोकसभा सीटों मयूरभंज, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर में वोटिंग होगी। इसी तरह चार चरणों में विधानसभा चुनाव के लिए 13 मई को 28 विधानसभा सीटों पर वोटिंग तो 20 मई को 35 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। 25 मई को 42 सीटों और पहली जून को राज्य की शेष बची 42 विधानसभा सीटों पर वोट डालेंगे। लोकसभा में जहां 60 फीसदी सीटों पर बीजेडी, भाजपा और कांग्रेस में त्रिकोणात्मक संघर्ष की तस्वीर उभर रही है, वहीं विधानसभा की लगभग 50 फीसदी सीटों पर बीजेडी और भाजपा के सीधे संघर्ष में कांग्रेस तीसरा कोण बनाती नजर आ रही है। राज्य में यह पहला मौका है, जब पिछले पांच बार से चुनाव जीत रही बीजेडी को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा है। भाजपा लोकसभा की ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने के साथ विधानसभा चुनाव में भी पार्टी के लिए कड़ी चुनौती पेश कर रही है, तो कांग्रेस इस लड़ाई में अपने लिए बाजीगर जैसी भूमिका तलाश रही है।



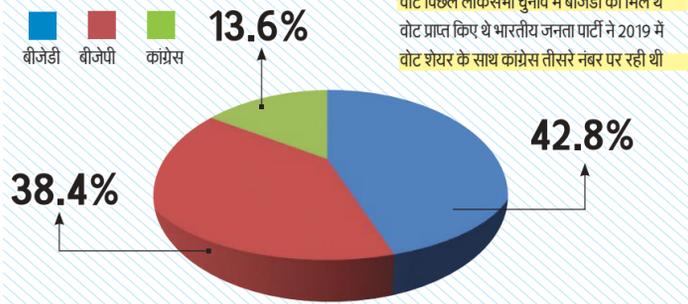
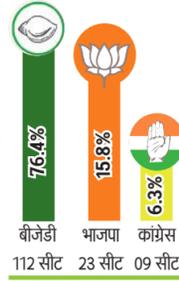
पार्टी	सीट	वोट
बीजेडी	12	1,01,74,021
भाजपा	08	91,30,768
कांग्रेस	01	32,85,339

पिछले चुनाव में सिर्फ 4.4 % वोटों से पिछड़ गई थी भाजपा

ओडिशा लोकसभा में 21 सांसद भेजता है। इन 21 लोकसभा सीटों में तीन एएससी और पांच एएसटी के लिए आरक्षित हैं। बीजेडी 2009 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) से अलग हो गई थी। इस बार पार्टी ने चुनाव पूर्व गठबंधन के लिए भाजपा के साथ हाथ मिलाए के लिए कोशिश की पर समझौता परवान नहीं चढ़ पाया। 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेडी ने 42.8 प्रतिशत वोट हासिल करते हुए राज्य की 21 में से 12 सीटें जीत ली थीं। भाजपा ने आठ सीटों पर कमल खिलाया था। पार्टी को 38.4% वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस एक सीट ही जीत पाई थी। उसने 13.4% वोट प्राप्त किए थे। इस बार भी ओडिशा में यही तीन पार्टियां चुनावी लड़ाई में आमने-सामने हैं। लोकसभा की एक दर्जन सीटों पर बीजेडी, भाजपा और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय टक्कर मानी जा रही है, जबकि नौ सीटों पर मुकाबला बीजेडी और भाजपा के बीच सीधे संघर्ष में सिमटता नजर आ रहा है।

आ रहा है। भाजपा ने इस बार अपने चार सांसदों को दोबारा मौका नहीं दिया है। संबलपुर से केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने कांग्रेस के दुलाल चंद्र प्रधान और बीजेडी के प्रणव प्रकाश दास की चुनौती है। पुरी से भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा के सामने बीजेडी ने मौजूदा सांसद पिनाकी मिश्र की जगह पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण पटनायक को उतारा है, कांग्रेस ने सिद्धार्थ राउत्रे को टिकट दिया है। केंद्रपाड़ा से भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत पांडा किस्मत आजमा रहे हैं। यहां उनके मुकाबले में बीजेडी के अंशुमन मोहंती हैं। भुवनेश्वर से अपराजिता सारंगी दोबारा मैदान में हैं, यहां उनका मुकाबला बीजेडी के मन्मथ राउत्रे से है। सुंदरगढ़ से जुएल उरांव जैसे पुराने नेता पर दांव खेला है। पार्टी ने बीजेडी छोड़कर आए कटक के मौजूदा सांसद भर्तृहरि महाताब को कटक से ही उतारा है।

विधान सभा चुनाव- 2019 परिणाम

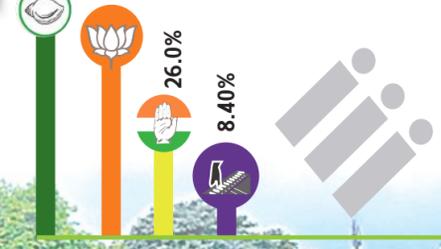


राजघरानों के एक दर्जन सदस्य चुनावी समर में बीजेडी ने सबसे ज्यादा 10 को दिया है मौका

ओडिशा के चुनाव में इस बार राजघरानों के एक दर्जन सदस्य चुनावी मैदान में किस्मत आजमाने उतरे हैं। प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी बीजू जनता दल ने सबसे ज्यादा सात शाही परिवार के सदस्यों को टिकट दिया है। भाजपा ने चार और कांग्रेस ने एक राजघराने के सदस्य को चुनावी समर में उतारा है। राजघरानों के 10 सदस्य विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि दो लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरे हैं। बीजेडी से धाराकोटे शाही परिवार के दिग्गज नेता स्व. एफन सिंहदेव की 28 वरिष्ठ पौत्री सुलक्षणा गीतांजलि देवी सनाखेमुंडी विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। उनका मुकाबला कांग्रेस के मौजूदा विधायक रमेश चंद्र जेना से है। चिकिती विधानसभा से चिकिती के शाही परिवार की वंशज उषा देवी के बेटे चिन्मयानंद श्रीरूप देव भी बीजेडी से मैदान में हैं। अभी इस सीट से उनकी मां उषा देवी विधायक हैं। बीजेडी से ही देवगढ़ के राजा और भाजपा के संबलपुर सांसद नितेश गंगा देव की पत्नी रानी अरुंधति देवी देवगढ़ विधानसभा सीट से प्रत्याशी हैं। बीजेडी के टिकट पर चुनावी समर में ओल शाही परिवार के सदस्य प्रताप देव और सीट से तो नयागढ़ विधानसभा सीट से प्रत्युषा राजेश्वरी उतरी हैं। इसी तरह पुष्पेन्द्र सिंह देव धर्मगढ़ विधानसभा सीट और अंगुल विधानसभा सीट से मौजूदा विधायक शाही परिवार के रजनीकांत की पत्नी संजुवता सिंह उम्मीदवार हैं। बोलांगीर से दो बार के सांसद कलेश नारायण सिंह देव भी बीजेडी से इस बार विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा ने बोलांगीर लोकसभा सीट से यहां के शाही परिवार की मौजूदा सांसद संगीता कुमारी सिंह पर फिर से दांव लगाया है। संगीता चार बार इस सीट को जीत चुकी हैं। उनके पति केवी सिंह को भाजपा ने पटनागढ़ विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। पार्टी ने कालाहांडी लोकसभा सीट से शाही परिवार के पूर्व सांसद केशरी देव की पत्नी मालविका केशरी देव को टिकट दिया है।

2014 में दलीय परिणाम और वोट

पार्टी	सीट	वोट
बीजेडी	20	94,91,497
भाजपा	01	46,38,619
कांग्रेस	00	55,93,123
अन्य	00	18,09,036



400 पार जीते: नई दिल्ली में भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने मोती नगर में रोड शो करने के दौरान जब अपने तेवर और अंदाज दिखाए तो लोगों के बीच बरबस ही उनकी मां भाजपा की वरिष्ठ नेता रही स्व. सुष्मा स्वराज की यादें ताजा हो गईं।

राजस्थान में पांच सीटों पर भाजपा का कड़ा इम्तिहान

जयपुर। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में राजस्थान में 13 सीटों पर शुक्रवार को मतदान होगा। इनमें पांच सीटों पर सभी की नजर लगी है। जोधपुर लोकसभा सीट पर भाजपा के गजेंद्र सिंह शेखावत का मुकाबला कांग्रेस के करण सिंह उजियारा से हो रहा है। दोनों के बीच कड़ी टक्कर मानी जा रही है। कोटा-बूंदी सीट पर भाजपा के ओम बिरला और कांग्रेस के प्रहलाद कुंजल के बीच भी संघर्ष बताया जा रहा है। जालोर-सिरोही सीट पर कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत का चैन भाजपा के लुंबाराम चौधरी ने छीन रखा है। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भी चर्चा में है। यहां भाजपा के महेंद्रजीत सिंह मालवीय की बाप पार्टी के राजकुमार रोत से टक्कर है। राजकुमार को कांग्रेस का समर्थन प्राप्त है। सबसे चर्चित सीट बाड़मेर-जैसलमेर है, जहां त्रिकोणीय मुकाबले में सबकी निगाह निर्दलीय उम्मीदवार रविंद्र सिंह भाटी पर है, जिन्होंने भाजपा-कांग्रेस दोनों की नींद उड़ा रखी है।

छठवीं बार मुख्यमंत्री बनने में 'एंटी इनकंबेंसी' बन रही कठिन चुनौती



विधानसभा चुनाव में बीजू जनता दल (बीजेडी) के सामने लगातार छठी बार बहुमत हासिल करने की चुनौती है। अगर इस बार भी बीजेडी चुनाव जीतती है, तो राज्य के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक चार माह बाद सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग को फछाड़ कर सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने के मामले में पहले नंबर पर आ जाएंगे नवीन पटनायक स्थानीय समस्याओं के चलते भरोसा और समर्थन खोते नजर आ रहे हैं। इस 'एंटी इनकंबेंसी' से निपटने के लिए बीजेडी ने चेहरे बदलने का खेल खेला है। लोकसभा और विधानसभा प्रत्याशियों की सूची में भाजपा और कांग्रेस से आए नेताओं को बड़ी संख्या में मौका दिया है। बीजेडी के लोकसभा और विधान सभा प्रत्याशियों की सूची में एक तिहाई टिकट अन्य पार्टियों से आए नेताओं को दिए गए हैं। इसका परिणाम यह भी हो रहा है कि टिकट की आस लगाए बैठे बीजेडी के कई नेता टिकट न मिलने की नाराजगी में भाजपा में शामिल हो चुके हैं, तो कुछ बीजेडी नेता खुलेआम घोषित प्रत्याशियों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं या निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में उतर गए हैं। इसका नुकसान भी पार्टी को हो सकता है।

मोदी के विजय-2047 की तज पर ओडिशा को 2036 नंबर वन राज्य बनाने का वादा

ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को यूं ही राजनीति का बड़ा खिलाड़ी नहीं माना जाता है। इस बार के चुनाव में 'एंटी इनकंबेंसी' का फैक्टर भलीभांति समझते और भाजपा द्वारा 25 साल के कामकाज पर जारी जार्जिंग का मुकाबला करने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विजय 2047' की तज पर 2036 तक ओडिशा को विकसित राज्य बनाने की कसम खाई है। अपने चुनावी अभियान की शुरुआत उन्होंने इसी दांव से की है। वह लोगों से कह रहे हैं कि बीजेडी को छठी बार मौका देने पर जब राज्य 2036 में अपने गठन के 100 साल पूरे करेगा तो देश में नंबर एक विकसित प्रदेश होगा। भाजपा के डबल इंजन सरकार के जवाब में वह मतदाताओं से बीजेडी के चुनाव निशान शंख को डबल आशीर्वाद, एक वोट लोकसभा और दूसरा विधानसभा चुनाव के लिए मांग रहे हैं। पटनायक हर चुनावी साल सघे अंदाज में चल रहे हैं। 2019 में भाजपा ने पश्चिम ओडिशा में कालाहांडी, बोलांगीर, बारगढ़, संबलपुर व सुंदरगढ़ लोकसभा सीटें जीत ली थीं। भाजपा की फिर से पिछला प्रदर्शन दोहराने की संभावनाओं को रोکنने के लिए मुख्यमंत्री ने हिज्जली की पत्नारगत सीट के साथ बलांगीर की कांटाबांजी विधानसभा क्षेत्र से भी उतरने का फैसला लिया है।

सतना में त्रिकोणीय, रीवा में सीधे मुकाबले के आसार

चुनाव डेस्क | मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छह लोकसभा सीटों टिकमगढ़, दमोह, खजुराहो, होशंगाबाद, रीवा और सतना में 26 अप्रैल को मतदान होगा है। 2019 के चुनाव में यह सभी छह सीटें भाजपा ने जीती थीं। इन छह सीटों में सबसे रोचक मुकाबला सतना और रीवा में होता नजर आ रहा है। पहले चरण के चुनाव में कम मतदान होने के कारण इस चरण में चुनाव आयोग के साथ भाजपा और कांग्रेस ने भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के प्रयास किए हैं। भाजपा से सतना लोकसभा पर चार बार के सांसद गणेश सिंह चुनाव मैदान में है। उनके मुकाबला कांग्रेस के सतना से विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा मजबूती से कर रहे हैं। पिछले चुनावों में गणेश सिंह

- मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छह लोकसभा सीटों पर आज मतदान
- सतना में चार बार के सांसद गणेश सिंह और कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा की जंग में पूर्व विधायक बसपा के नारायण त्रिपाठी बने तीसरा कोण
- रीवा में भाजपा-कांग्रेस के ब्राह्मण प्रत्याशियों में घमासान, भाजपा सांसद की जीत की हैदिक रोकने में कांग्रेस की पूर्व विधायक ने लगाई ताकत

हैदिक के लिए लड़ रहे जनार्दन रीवा लोकसभा सीट पर कांग्रेस और भाजपा दोनों के ब्राह्मण प्रत्याशियों के कारण मुकाबला दिलचस्प स्थिति में पहुंच गया है। भाजपा से मौजूदा सांसद जनार्दन मिश्र चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार वह जीत की हैदिक लगाना चाहते हैं। कांग्रेस से उनका मुकाबला नीलम अभय मिश्रा कर रही है। नीलम मिश्रा ने 2013 में भाजपा प्रत्याशी के रूप में सेमरिया विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था। वर्तमान में उनके पति अभय मिश्रा सेमरिया से विधायक हैं। बसपा के अभिषेक पटेल दो ब्राह्मणों की इस जंग में तीसरा कोण बनाने के लिए सजातीय और कैडर वोट को गोलबंद करने में लगे हैं। जानकारों का कहना है कि शुरू में इस सीट पर भाजपा का पलड़ा भारी नजर आ रहा था, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ा कांग्रेस उम्मीदवार के कारण समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। अब भाजपा-कांग्रेस की सीधी टक्कर में मौजूदा सांसद को पीएम मोदी और सीएम मोहन यादव का ही सहारा है। को इकलौता ओबोसी प्रत्याशी होने का भी लाभ मिलता था, लेकिन इस बार कांग्रेस का प्रत्याशी भी ओबोसी है। इन दोनों की लड़ाई में बसपा

प्रत्याशी नारायण त्रिपाठी भी कहीं से कमजोर नहीं नजर आ रहे हैं। इस सीट पर कुल 14 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। मजदार बात यह है कि विधानसभा चुनाव में भाजपा सांसद गणेश सिंह को सिद्धार्थ कुशवाहा ने 4041 मतों से हरा दिया था। ऐसे में इस बार दोनों प्रत्याशियों के बीच संघर्ष प्रतिष्ठा और बदले के साथ ओबोसी वर्ग में वर्चस्व से भी जुड़ गया है। लेकिन इस लड़ाई के समीकरण पांचवीं बार दल बदलकर बसपा से उतरे नारायण त्रिपाठी ने गड़बड़ा दिए हैं। मैहर विधानसभा से चार बार के विधायक रहे नारायण के कारण अब यहां संघर्ष त्रिकोणीय हो गया है। सतना सीट पर टाकुर मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं।



आज का मुकाबला

कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स
समय: शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	09	379
ऋतुराज गायकवाड़ (सीएसके)	08	349
ऋषभ पंत (दिल्ली कैपिटल)	09	342

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
जसप्रीत बुभराह (मुंबई)	08	13
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	08	13
हर्षल पटेल (पंजाब)	08	13

केकेआर के गेंदबाजों पर रहेंगी नजरें

कोलकाता, एजेंसी

खराब फॉर्म से जूझ रही पंजाब किंग्स के सामने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजों खासकर 30 लाख डॉलर में खरीदे गए मिचेल स्टार्क पर प्रदर्शन में सुधार का दबाव रहेगा। केकेआर दस अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि राजस्थान रॉयल्स 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है। केकेआर को अब तक सफलता उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के दम पर मिली है।

पंजाब किंग्स के रूप में उसके सामने अब कमजोर प्रतिद्वंद्वी है जो शाशांक सिंह और आशुतोष शर्मा के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद अच्छा नहीं खेल सकी है। प्लेआफ की दौड़ से पंजाब लगभग बाहर ही है। केकेआर के लिए शीर्षक्रम पर सुनील नारायण (176.54 की स्ट्राइक



● खराब फॉर्म से जूझ रही है पंजाब किंग्स, अब तक बल्लेबाजी के दम पर जीत रही है केकेआर की टीम

रेट से 286 रन) और फिल साल्ट (169.38 की औसत से 249 रन) ने शानदार प्रदर्शन किया है। आंद्रे रसेल (184.52 की स्ट्राइक रेट से 155 रन) और कप्तान श्रेयस अय्यर (126 की स्ट्राइक रेट से 190 रन) ने भी रन बनाए हैं। रिकू सिंह ने टूर्नामेंट में सात मैचों में 67 गेंद ही खेली है और 160 के करीब रन बना लिए हैं।

वहीं, दूसरी ओर स्टार्क 11.48 की इकॉनॉमी रेट से रन लुटा रहे हैं और उन्हें छह ही विकेट मिल सके हैं। उन्हें 24 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदा गया था और अब उन पर इस रकम के साथ न्याय करने का दबाव होगा। स्टार्क का भरोसा अपनी रफ्तार पर रहा है और वह धीमी गेंद डालने को तैयार नहीं है जिससे बल्लेबाज डैथ ओवरों में उन्हें आसानी से खेल पा रहे हैं।

अगर, पंजाब को जीत की राह पर लौटना है तो केकेआर की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाना होगा। पंजाब के शीर्षक्रम के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, रिली रोसोयू और बेयरस्टो फॉर्म में नहीं हैं। आशुतोष और शाशांक के बल्ले से ही रन निकल रहे हैं। पंजाब खेमा उम्मीद कर रहा होगा कि शिखर धवन कंधे की चोट से उबरकर जल्दी वापसी करें।

विशी सर नहीं होते तो आज यहां नहीं होता : गुकेश

चेन्नई, एजेंसी

भारतीय शतरंज स्टार डी गुकेश ने उनके कैरियर को निखारने में अहम भूमिका निभाने वाले महान खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को धन्यवाद देते हुए गुरुवार को कहा कि अगर आनंद नहीं होते तो वह आज जिस मुकाम पर हैं, उसके करीब भी नहीं होते।

17 बरस के गुकेश ने टोरंटो में कैडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया और वह विश्व चैम्पियनशिप खिताब के सबसे युवा चैंलेंजर बन गए। उन्होंने 40 साल पुराना गैरी कास्परोव का रिकॉर्ड तोड़ा। वह साल के आखिर में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लिरें को चुनौती देंगे। आनंद के बाद कैडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले गुकेश ने स्वदेश लौटने पर परिवार से मिलते डी गुकेश।



● एजेंसी

अच्छा लग रहा है। विश्वनाथन आनंद मेरे प्रेरणास्रोत हैं और उनकी अकादमी से काफी फायदा मिला। उन्होंने मेरे कैरियर में अहम भूमिका निभाई और आज मैं जिस मुकाम पर हूँ उसके करीब भी नहीं होता अगर वह नहीं होते। गुकेश ने 2020 में स्थापित वेस्टवर्ल्ड आनंद शतरंज अकादमी में अभ्यास किया है। लिरें के खिलाफ मुकाबले के बारे में उन्होंने कहा सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि मैं तैयारी कैसे करता हूँ। मुझे सही मानसिक तैयारी के साथ उतरना होगा क्योंकि यह बड़ा मैच है। काफी अपेक्षाएं हैं और बहुत कुछ दाव पर है। मुझे खुद पर पूरा भरोसा है और मैं इसी रणनीति के साथ खेलूंगा। उम्मीद है कि यह कारगर साबित होगा।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रनरेट
राजस्थान	8	7	1	14	+0.698
कोलकाता	7	5	2	10	+1.206
हैदराबाद	7	5	2	10	+0.941
लखनऊ	8	5	3	10	+0.148
चेन्नई	8	4	4	8	+0.415
दिल्ली	9	4	5	8	-0.386
गुजरात	9	4	5	8	-0.974
मुंबई	8	3	5	6	-0.227
पंजाब	8	2	6	4	-0.292
बेंगलुरु	8	1	7	2	-1.046

इंपैक्ट खिलाड़ी नियम से हरफनमौला की भूमिका खतरे में : अक्षर

नई दिल्ली। बायें हाथ के बेहतरीन स्पिनर होने के साथ सक्षम बल्लेबाज अक्षर पटेल का मानना है कि इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से हरफनमौलाओं की भूमिका खतरे में है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अक्षर ने 43 गेंद में 66 रन बनाए और कप्तान ऋषभ पंत के साथ दिल्ली कैपिटल्स को संकट से निकालकर चार विकेट पर 224 रन तक पहुंचाया। दिल्ली ने यह मैच चार रन से जीता। अक्षर ने कहा एक हरफनमौला होने के नाते मेरा मानना है कि इंपैक्ट खिलाड़ी के नियम से हरफनमौलाओं की भूमिका खतरे में है। हर टीम इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर विशुद्ध बल्लेबाज या गेंदबाज चाहती है। हरफनमौलाओं का इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के पंजीकरण में बढ़ोतरी : एआईएफएफ

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले दो वर्षों में भारतीय फुटबॉल में महिला खिलाड़ियों के पंजीकरण में 138 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो इस खेल की लोकप्रियता में वृद्धि का संकेत है, साथ ही इससे पता चलता है कि फुटबॉल को पेशेवर रूप से चुनने वाली युवा महिला खिलाड़ियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की

आरसीबी लड़खड़ाकर पहुंची 200 पार

हैदराबाद सनराइजर्स को मिला 207 रनों का लक्ष्य, कोहली और पाटीदार ने लगाए अर्धशतक

हैदराबाद, एजेंसी

विराट कोहली (51), रजत पाटीदार (50) और कैमरन ग्रीन (37) की आतिशी पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 41वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को जीतने के लिए 207 रनों का लक्ष्य दिया है।

राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु कप्तान फाफ डुप्लेसी ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। चौथे ओवर में थंगारसु नटराजन ने डुप्लेसी को आउट कर हैदराबाद को पहली सफलता दिलाई। डुप्लेसी ने 12 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए 25 रनों की पारी खेली। सातवें ओवर में मयंक मार्कंडेय ने विल जैक्स (6) पर बोल्ट कर पवेलियन भेज दिया। विराट और रजत पाटीदार ने तीसरे विकेट लिए बड़ी साझेदारी करने का प्रयास किया। इसी दौरान 13वें ओवर में उनादकट ने रजत पाटीदार को आउट कर दिया। रजत ने



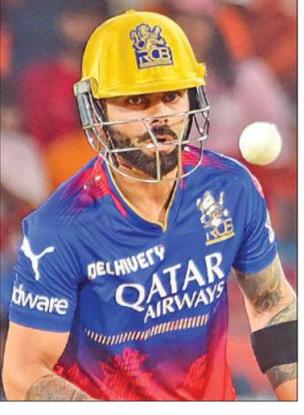
विल जैक्स को विकेट लेने के बाद मयंक को बचाई देते पैंट कर्मिस। ● एजेंसी

20 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के लगाते हुए 50 रन बनाये। महिला लोमरोर (7), दिनेश कार्तिक (11) बनाकर आउट हुये। स्वप्निल सिंह नाबाद 12 रन और कैमरन ग्रीन ने 20 गेंदों में पांच चौकों की मदद से नाबाद 37 रन बनाये। बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 206 रन बनाये। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट ने तीन विकेट लिये। थंगारसु नटराजन को दो विकेट मिले। पैंट कर्मिस और मयंक मार्कंडेय ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

बेंगलुरु 206/7 20 ओवर, अतिरिक्त : 07

बल्लेबाज	रन	गेंद	4/6
विराट कैच समद बोल्ट उनादकट	51	43	4/1
डुप्लेसी कैच मारक्रम बोल्ट नटराजन	25	12	3/1
विल जैक्स बोल्ट मार्कंडेय	6	9	0/0
पाटीदार कैच समद बोल्ट उनादकट	50	20	2/5
कैमरन ग्रीन नाबाद	37	20	5/0
लोमरोर कैच कर्मिस बोल्ट उनादकट	7	4	1/0
दिनेश कार्तिक कैच समद बोल्ट कर्मिस	11	6	2/0
स्वप्निल कैच अभिषेक बोल्ट नटराजन	12	6	1/1

गेंदबाजी : अभिषेक 1-0-10-0, भुवनेश्वर 1-0-14-0, कर्मिस 4-0-55-1, नटराजन 4-0-39-2, शाहबाज 3-0-14-0, मयंक 3-0-42-1, उनादकट 4-0-30-3



तीरंदाजी विश्व कप : रिकर्व पुरुष टीम फाइनल में

शंघाई, एजेंसी

भारत के तरुणदीप राय, धीरज बोम्मादेवरा और प्रवीण जाधव ने तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में पुरुषों के रिकर्व फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर लिया। फाइनल में उनका सामना ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया से होगा। भारत ने महिला कंपाउंड वर्ग में भी पदक पक्का कर लिया। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम ने इटली को 5.1 से हराया। अब उसका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से होगा।

कोरियाई टीम में तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता किम वूजिन, ली यू सियोक और किम जि डियोक हैं। कोरिया ने चीनी ताइपै के तान चिह चुन, लिन जिह सियांग और ताइ यू सुआन को



● महिला कंपाउंड वर्ग में भी पदक पक्का, ज्योति और प्रियांशु सेमीफाइनल में पहुंचीं

6.0 से हराया। कंपाउंड वर्ग में पूर्व विश्व चैम्पियन प्रियांशु और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्नाम व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए। भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को पहले दौर में बाय मिला था जिसके बाद उसने 15वीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया को 5.3 से मात दी। अगले मैच में स्पेन को 5.1 से हराया।

पहले दौर में बाय मिलने के बाद अगले मैच में भारतीयों ने दूसरे सेट में 3.1 की बढ़त बनाने के बाद मुकाबला गंवा दिया। बाद में विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता ज्योति ने हमवतन अतनीत कौर को 143-142 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना एस्टोनिया की मीरी मांशिंया पास से होगा। भारत की मौजूदा विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी को मैक्सिको की शीर्ष वरीयता प्राप्त आद्रिया बेसेरा ने 144-142 से हराया। 14वीं वरीयता प्राप्त प्रियांशु ने तुर्की के बी अकाओग्लू को शूटाउफ में मात दी। अब उनका सामना अमेरिका के निक कैपर्स से होगा।

राहुल बनाम संजू, हार्दिक का फॉर्म चिंता का सबब

नई दिल्ली, एजेंसी

जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान इस महीने के आखिर में किया जा सकता है लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या का खराब फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है जबकि दूसरे विकेटकीपर की जगह के लिये संजू सैमसन से केएल राहुल आगे चल रहे हैं। अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप के लिए टीम चुनते समय दुविधा अतिरिक्त गेंदबाज की भी होगी। यह देखना होगा कि तेज गेंदबाज आवेश खान को चुना जाता है या वेस्टइंडीज की धीमी पिचों को देखते हुए लेग स्पिनर रवि बिशर्नोई या हरफनमौला अक्षर पटेल को। समझा जाता है कि कप्तान रोहित शर्मा चयन



युगांडा के खिलाड़ी सबसे बड़े मौके के लिए तैयार : रमजानी

मुंबई। बल्लेबाजी आल राउंडर अल्पेश रमजानी का मानना है कि युगांडा के आत्मविश्वास से भरे क्रिकेटर आगामी टी20 विश्व कप के दौरान जिंदगी के सबसे बड़े मौके का फायदा उठाने के लिये तैयार हैं। पिछले साल नवंबर में युगांडा ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप अफ्रीका क्षेत्र के क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करके नामीबिया के बाद दूसरे स्थान पर रहकर पहली दफा इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। इस दौरान युगांडा ने मजबूत क्षेत्रीय टीम जिम्बाब्वे को भी पराजित किया।

रमजानी ने गुरुवार को वानखेडे स्टेडियम में मीडिया से कहा यह बहुत ही बड़ा अनुभव होने वाला है। लेकिन साथ ही यह जिंदगी का सबसे बड़ा मौका भी होगा जब आप ऐसे खिलाड़ियों के खिलाफ खेलेंगे जिनकी तरह आप बनने की ख्वाहिश रखते हो। हमारे लिए यह बहुत ही बड़ा मौका है क्योंकि हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम में खेलने की तमना रखते हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली और रेलवे के पूर्व क्रिकेटर अभय शर्मा को राष्ट्रीय टीम का कोच नियुक्त करने से युगांडा के खिलाड़ियों का काफी फायदा मिलेगा। टीम के लिए एक एशियाई कोच लाना शानदार होगा। उनका अनुभव हमारे लिए फायदेमंद होगा।

बॉलीवुड हलचल

पुष्पा द रूल का प्रोमो गाना रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता अल्लु अर्जुन और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'पुष्पा द रूल' का प्रोमो गाना रिलीज हो गया है। फिल्म 'पुष्पा : द राइज' ने बॉक्स-ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। अब इस फिल्म का सीक्वल पुष्पा : द रूल बनाया जा रहा है। पुष्पा : द रूल का प्रोमो गाना रिलीज कर दिया गया है। यह गाना देवी श्री प्रसाद उर्फ रॉकस्टार डीएस्पू द्वारा कंपोज किया गया है। सोशल मीडिया पर निर्माताओं ने कैप्शन दिया, #पुष्पा 2 फर्स्टसिंगल पुष्पा पुष्पा 1 मई को 11:07 बजे रिलीज होगा।



मैं कौन हूँ नजर आएंगी काजल

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री काजल राघवानी फिल्म में कौन हूँ में काम करती नजर आएंगी। मृत्युंजय श्रीवास्तव निर्देशित फिल्म में कौन हूँ की शूटिंग उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर, विद्याचल और बस्ती में पूरी हो चुकी है। मैं कौन हूँ काजल राघवानी और संजय पांडेय अहम किरदार में हैं। फिल्म निर्माता हैं देवाश इंटरप्राइज और सिनेमेटोग्राफर नित्यानंद निपाटी (नीरज), वहीं नृत्य निर्देशन संजय कौर और उधारी यादव ने किया है। मारघाड़ अदरक का है, वहीं संगीत एस कुमार ने दिया है। मैं कौन हूँ काजल राघवानी, आनंद चतुर्वेदी, संजय पाण्डेय आदि होंगे।

